बागवानी कृषि इनकम का विकल्प

GUAVA

Farming

SHREE HARI

Shree Hari Horticulture Nursery

All Horticulture Fruit Plant supplier

Consultancy Service

- Horticulture Fruit Farm Project
- Natural Farming Project
- Farm House Project
- Agro Forestry farm Project

Address :- At-po. - Vemardi, Karjan - Dabhoi road, Tal. - Karjan, Dist. - Vadodara (Gujarat) 391210.

Call : 91063 10963 (8 AM to 6 PM)

About GUAVA

अमरुद दुनियामे प्रचलित फलो मेसे एक है, जो उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रो मे उगाया जाता है ।

विश्वभरमे लोग अमरुद का फल खाना पसंद करते है जिनके कारण भारत और भारत के बहार भी यह फल कि डिमान्ड बनी रहती है ।

भारत के कई राज्यो मे अमरुद की खेती होती है ।

भारतमे क्षेत्र के हिसाब से जारवी रेड १, जारवी रेड, थाइगवा, ताइवान अमरुद, अल्हाबाद सफेदा, ललीत, लखनउ ४९ उगाइ जानेवाली किस्मे है ।

सिजन मे फल जल्दी आ जाते है, जिनकी बाजार किमत ज्यादा मिलती है ।

About GUAVA

एकबार पौधा लगाने से सालो तक उपज ले कशते है ।

अमरुद के पेड शरुआती १५ से २० साल तक सामान्य से अधिक फळदायी होते है ।

जारवी रेड १, जारवी रेड डायमन्ड, थाइगवा और ताइवान अमरुद कि किस्मे व्यावसाय के लिए लगाइ जाती है ।

UHDP टेकनीक से फार्मिंग करे तो कम एरिया मे अधिक उपज ले शकते है ।

GUAVA fruit

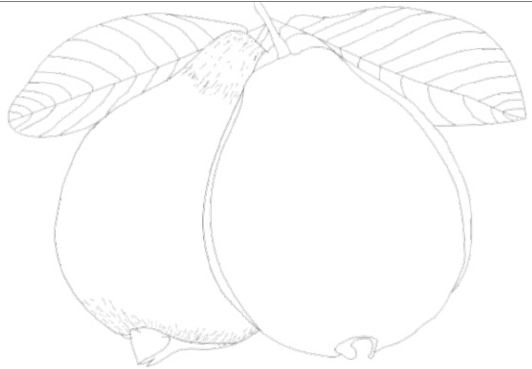

Guava Health Benefits

- प्रतिरक्षा प्रणाली को बढावा देता है ।
- पाचन में सहायक ।
- हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करता है ।
- एंटीओक्सीडेंट से भरपुर ।
- मधुमेह को प्रबंधित करने में मदद करता है ।
- त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार ।
- वजन घटाने में सहायक ।
- आंखो की रोशनी बढाता है ।

अमरुद की विविधता और परिपक्वता के आधार पर पोषण सामग्री थोडी भिन्न हो सकती है । अपने आहार मे अमरुद को शामिल करना आपके समग्र स्वास्थ्य को बढाने का एक स्वादिष्ट तरीका हो सकता है ।

Nutritional Value of Guava (per 100g serving) :

- Calories	68 kcal
- Carbohydrates	14 g
- Dietary Fiber	5.4 g
- Sugars	9 g
- Protein	2.6 g
- Fat	1 g
- Vitamin C	228 mg
- Vitamin A	624 IU
- Folate (Vitamin B9)	49 mcg
- Potassium	417 mg
- Calcium	18 mg
- Iron	1 mg
- Magnesium	22 mg
- Phosphorus	40 mg

Guava market scope

भरत में अमरुद का बाजार दायरा क्या है ?

- भारत में अमरुद का एक महत्वपूर्ण बाजार दायरा है ।
- भारत में सबसे अधिक उगाए जानेवाले फलो में से एक है और उपभोक्ताओ के बीच लोकप्रिय है ।
- अमरुद उत्पादो के बाजार में ताजे फलों की बिक्री, अमरुद का गुदा, जुस, जैम, केंडी, शरबत जैसे उत्पाद, साथ ही महत्वपूर्ण भारतीय प्रवासी वाले देशो को निर्यात शामिल है ।
- हाल के समय मे अमरुद उत्पादको के बाजार का विस्तार हो रहा है, और यह छोटे पैमाने और वाणिजिक उत्पादको दोनो के लिए अवसर प्रदान करता है ।
- बाजार की स्थिति मौसम, उत्पादित जात और क्षेत्र के आधार पर भिन्न हो सकती है ।
- जिनकी अधिक जानकारी हेतु आप ओर्गेनिक क्लीनीक टीम का संपर्क कर सकते हो ।

GUAVA

Approx

Production

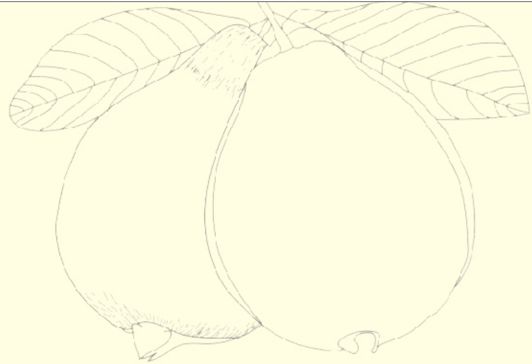

SHREE HARI

- अमरुद के फलो को आकार और गुणवत्ता के अनुसार ग्रेडिंग करके और बाजार की मांग के अनुसार पैक करके 30 से 150 रु तक बाजार किमत मिल सकती है।

Year	Production Kg / Plant
0	**0**
1	**3-5**
2	**5-7**
3	**10-12**
4	**15-20**
5	**25-40**

Approx
Selling Price
Per KG

INR 30-150

- अच्छी उपज के लिए मीट्टी, पानी, वातावरण और किसान की देखभाल एक बडी भुमिका निभाती है ।

GUAVA farming

Soil

- किसी भी प्रकार की जल निकासी वाली मिट्टी पर अच्छी तरह से अमरुद उगाया जाता है ।
- लाल मीट्टी, पीली मीट्टी, काली मीट्टी, रेतीली मीक्स मीट्टी, लाल दोमट मिट्टी अमरुद की खेती के लिए अनुकुल है ।
- Ph 6 - 8 अमरुद की खेती के लिए उपयुक्त है ।

Water

- अमरुद की फसल के लिए 1500 TDS तक का पानी उपयुक्त होता है ।

Climate

- अमरुद उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रो मे सफळतापूर्वक उगाया जाता है ।
- सर्दियो की मौसम मे रात्रि का तापमान कम हो वहा अच्छी गुणवत्तावाले फल होते है ।
- 25 - 35 डिग्री बीच का तापमान फुलो से फलो तैयार होने के लिये आदर्श है ।
- अमरुद के पौधे के वृद्धि और विकास के लिए मध्यम सर्दी और गरमी के साथ बारीस का मौसम आदर्श है ।

GUAVA Varieties

- भारत मे विविध क्षेत्रो के हिसाब से लोकल अमरुद की किस्मो मे सफेद और लाल गुदा वाली किस्मो का समावेस होता है ।
- रेड डायमन्ड, थाइगवा, ताइवान अमरुद कि किस्मे मुळ विदेशी किस्मे है, जिनकी धीरे-धीरे भारत में खेती की जाती है जो सफेद, लाल और गुलाबी गुदे के साथ लंबे समय तक टीकने वाली किस्मे है इसलिए खेती मे व्याप बढ रहा है ।

जारवी रेड 1

जारवी रेड

थाइगवा (1 kg)

ताइवान पिंक

ललीत

अल्हाबाद सफेदा

अर्का किरण

लखनउ ४९

GUAVA Plantations

रोपण का समय

- अमरुद पौध रोपण का सबसे अच्छा समय वर्षाॠतु और वसंतॠतु होता है ।

- प्रति एकड अधिक उपज के लिए रोपण साइज बहुत उपयोगी है ।
- जो साइज मे हम रोपण कर रहे है उस साइज के अनुसार पेड की शाखाओ का प्रबंधन करना आवश्यक है ।

Raised Bed System

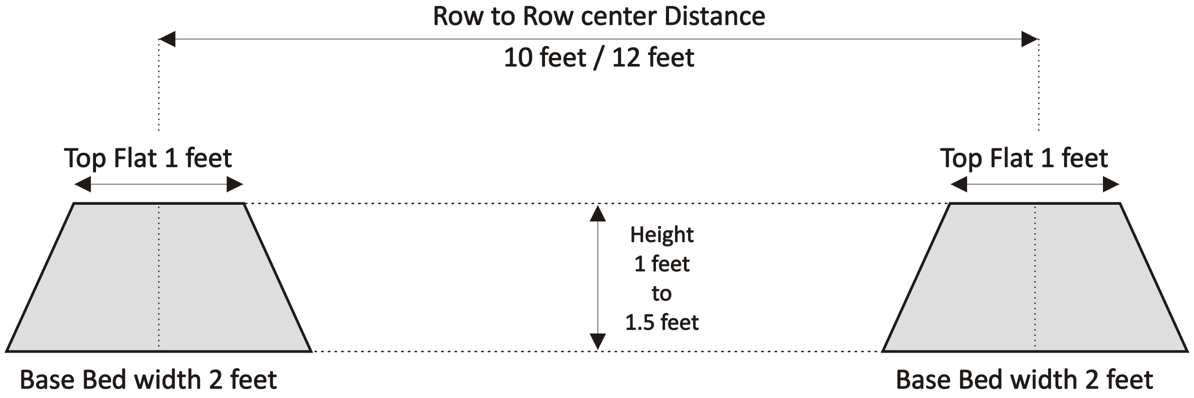

Size

- 10 ft x 5 ft : **870** पौधे प्रति अेकर
- 10 ft x 8 ft : **540** पौधे प्रति अेकर
- 12 ft x 8 ft : **450** पौधे प्रति अेकर

GUAVA Plantations

मिट्टी की तैयारी और रोपण

- मैदानी कृषि योग्य भूमि को गहरी जुताइ की आवश्यकता होती है ताकि मिट्टी ढीली हो जाए जिससे जडों की बेहतर वृद्धि हो शके और नमी का बेहतर प्रवेश हो सके ।
- गहरी जुताई से मिट्टी जनित कीटों की आबादी को कम करने में मदद मिलती है ।
- जहां कृषि योग्य भूमि उपलब्ध न हो वहां खेती के स्थान पर 2 ft x 2 ft x 2 ft का गड्ढा बना लें । इस गड्ढे में १५ किलो गोबर का खाद मिट्टी के साथ मिश्रण करके भरदे ।
- अमरुद की कलम को मिट्टी की सतह से आधा फुट बेड उपर गड्ढे के बीच में लगाएं, लेकिन ग्राफ्टेड हिस्से को जमीनी स्तर से बाहर रखें ।

GUAVA farming

Fertilizer Management

- अमरुद तेजी से बढने वाला पेड है और अधिक फल पैदा करने की क्षमता भी होती है, जिसका अर्थ है कि पर्याप्त पोषकतत्वो प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है ।
- प्रोपर फर्टिगेशन करना जरुरी है जिसके लिए आप ओर्गोनिक क्लीनीक कन्सलटन्ट कि सलाह ले शकते हो ।

Water Management

- मिट्टी के प्रकार, पौधे की अवस्था, वातावरण में नमी और तापमान के अनुसार सिंचाई करनी चाहिए ।
- अमरुद के पौधे छोटे होने पर उच्च्व तापमान के दौरान अंतराल पर पानी की आवश्यकता होती है ।
- अमरुद के लिए ड्रिप सिंचाई बहुत फायदेमंद साबित हुई है ।

Mulching

- अमरुद की रोपाई के बाद काष्ट आच्छादन और ड्रिप सिंचाई पद्धति के माध्यम से 60 % से 90 % पानी की बचत की जा सकती है ।

Intercrop cultication

- सिंचाई उपलब्ध होने पर सब्जियां या मौसमी फसले उगाकर प्रारंभिक वर्षो में अंतर फसल आय प्राप्त की जा सकती है ।
- अमरुद को किसी अन्य फसल के साथ अंतरफसल के रुप मे उगाया जा सकता है और अंतरफसल से इनकम की जा सकती है ।

N (000 kg), P (000 kg), K (000 kg) = per acer / year

GUAVA cultivation

फलो को कवर

- फलो को कवर करने से बाहरी वातावरण और धुप की गर्मी से होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है ताकि फलो की चमक और गुणवता में वृद्धि हो और साथ ही चीडीया से होने वाले नुकसान को रोका जा सके ।

GUAVA Cultivation

Land Preparation

- अमरुद का पौधा लगाने से पहले जमीन तैयार करना, रोपण का साइज निर्धारित करना, साइज के अनुसार बेड बनाना और बेसल डोज खाद भरना आवश्यक है ।
- अधिक जल धारण करने वाली मीट्टी मे ऊंचे बेड पर रोपण करना आवश्यक है ।
- रेतीली मीट्टी जिसमे पानी नही रुकता हो उसमे रोपण के लिए एक सामान्य बेड बनाकर उसके उपर पौधा रोपण किया जा सकता है ।

Advantages of Raised Beds

- जल भराव कम करने मे सहायक ।
- जडो की तंदुरस्त विकास के लिए गहराई और जरुरी जगह मिलती है ।
- पर्याप्त जल निकास के कारण जड क्षेत्र में हानिकारक क्षार जमा नही होते है ।
- राइज बेड के कारण जडो के आसपास मीट्टी का कोम्पेक्सन कम होता है ।

Raised Bed System

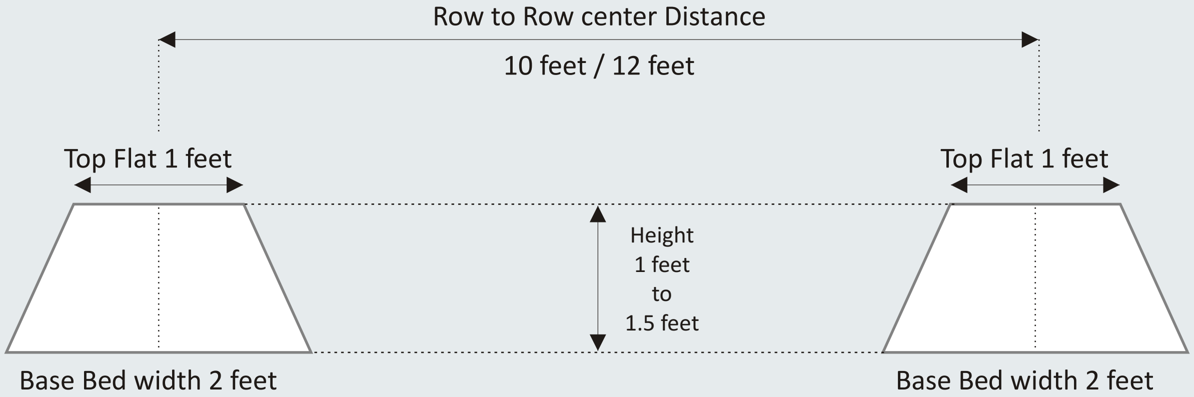

Organic CLINIC

BEST NURSERY PLANT FOR HORTICULTURE FARMING

FOR ALL YOUR ATTENTION

THANK YOU

CONTACT US :

9106310963

(Time : 9 am to 5 pm)

Organic clinic